राजस्थान पत्रिका
उदयपुर, रविवार, 2 फरवरी 2014

जलवायु परिवर्तन से रहें सतर्क

भीण्डर. पसं. समीपवर्ती धावड़िया गांव में अपना संस्थान मजावड़ा व एफ्रो संस्थान उदयपुर के सयुंक्त तत्वावधान में शनिवार को पानी व जलवायु परिवर्तन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ।

संस्थान सचिव चंद्रप्रकाश चौबीसा ने बताया कि ग्रामीणों को जलवायु विषयक पर आधारित राजस्थानी फिल्म धरती री ओढ़णी दिखाई गई। इसके बाद गांव के 12 फलों का भौगोलिक मानचित्र बनाकर उसमें प्राकृतिक संसाधन, बस्ती क्षेत्र, जल स्त्रौत, चरागाह भूमि आदि का अंकन किया गया। ग्रामीणों से 40-50 वर्षों में आज की जलवायु से तुलना कर उसमें बदलाव की सूचनाएं एकत्रित की गई। प्रशिक्षक डॉ. जी.पी. सिंह झाला ने वर्षा, पानी, पशुपालन आदि की जानकारी दी। संदर्भकर्ता प्रभाशंकर शर्मा ने जलवायु परिवर्तन के कारण समाज, परिवार, पशुओं, कृषि आदि पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में बताया। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच देवी लाल रावत आदि उपस्थित थे।

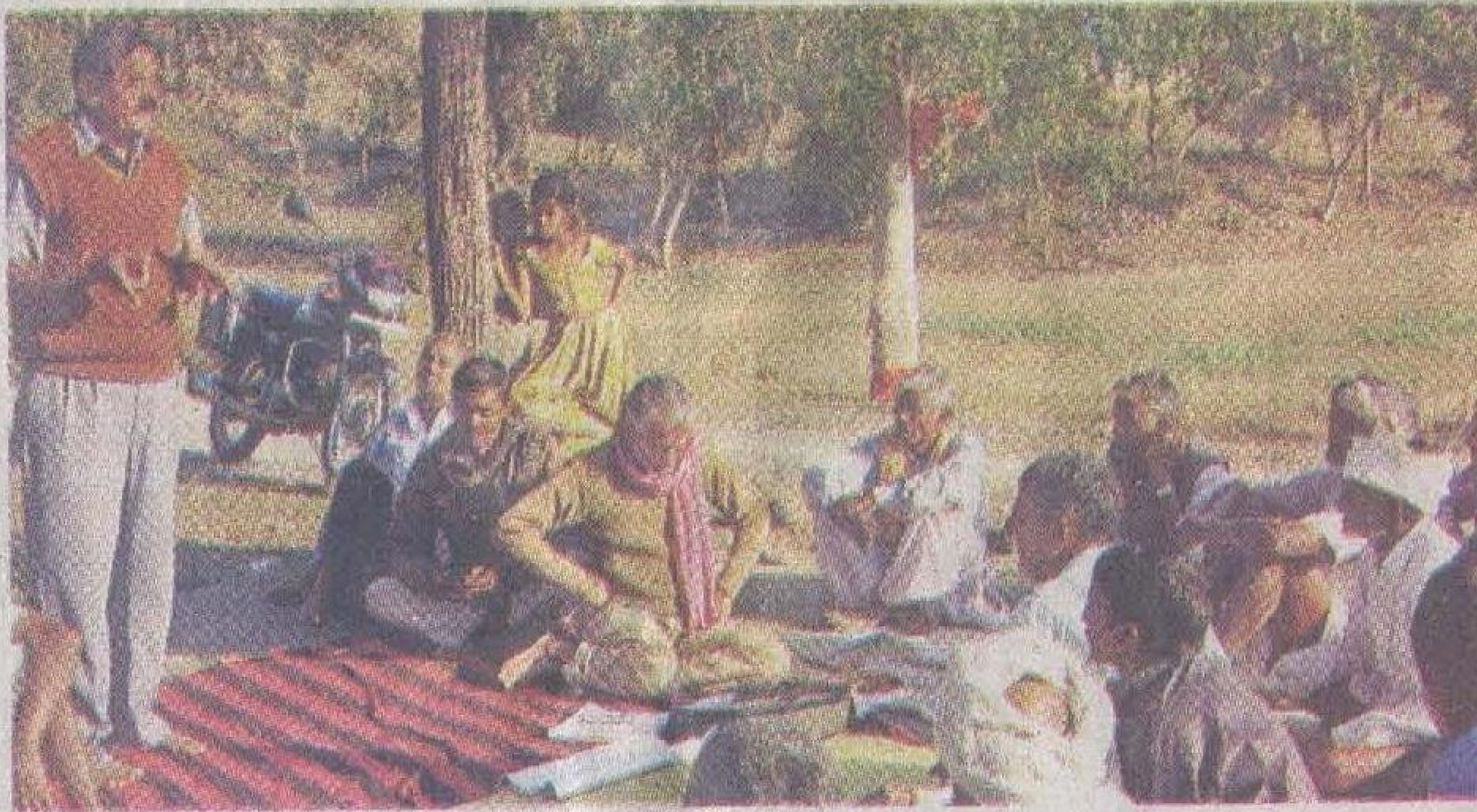

ग्रामीणों को पानी व जलवायु परिवर्तन के बारे में जानकारी देते हुए।